हरिभूमि

# भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

11 ब्रह्मा बाबा की जलाई आध्यात्मिक ज्योति पूरे ...

12 विधायक ने लोगों की शिकायतें सुनीं, समाधान ...

## खबर संक्षेप

### गांव निनान में विशेष ग्राम सभा 25 को

**भिवानी।** गांव निनान में 25 जनवरी को सुबह 10 बजे ग्राम सचिवालय में महानिदेशक विकास एवं पंचायत विभाग हरियाणा चण्डीगढ़ के निर्देशानुसार सरपंच रामकुमार की अध्यक्षता में स्पेशल ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभा में ग्रामीण विकास को गति देने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने बारे विचार विमर्श किया जाएगा। ग्राम सभा में सरकारी योजनाओं की समीक्षा की जाएगी, गत वर्ष के कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा।

### हत्या का प्रयास मामले में आरोपी गिरफ्तार

**भिवानी।** हत्या का प्रयास मामले में पुलिस सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 1 नवंबर 2025 को बस स्टैंड भिवानी के समीप होटल के पास आरोपियों द्वारा कार से दो राहगीरों को कुचलने का प्रयास किया गया था। इस घटना में भिवानी निवासी राकेश व पंकज घायल हुए थे, जिनमें राकेश को गंभीर चोटें आने के कारण पीजीआई में उपचार लेना पड़ा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राकेश व पंकज द्वारा होटल संचालक के साथ हो रहे झगड़े को रोकने पर आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों की वारदात सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई थी। अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए सीआईए स्टाफ -2 भिवानी के उप निरीक्षक प्रदीप कुमार ने अभियोग में तीसरे आरोपी को भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान योगेश पुत्र रामेहर निवासी ढाणी फोगाट जिला चरखी दादरी के रूप में हुई है।

### गोली चलाने के मामले में आरोपी को दबोचा

**भिवानी।** पुलिस सीआईए स्टाफ-2 भिवानी ने जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता शुभम निवासी भिवानी द्वारा थाना शहर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपियों द्वारा 13 व 15 दिसम्बर को उस पर जान से मारने की नीयत से आरोपियों के द्वारा गोली चलाई गई। शिकायत के आधार पर थाना शहर भिवानी में अभियोग दर्ज किया गया था। अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के उप निरीक्षक सुभाष चंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गांव मानहेरू भिवानी से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान शुभम पुत्र राजेश, निवासी बिचला बाजार भिवानी के रूप में हुई है।

### चोरी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

**भिवानी।** थाना शहर पुलिस भिवानी ने कार्रवाई करते हुए घर में घुसकर रुपये चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दीपक निवासी हनुमान ढाणी भिवानी द्वारा थाना शहर पुलिस भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 15 जनवरी 2026 की रात को आरोपी उसकी बैठक में घुसकर पेंट से 6,000 नकद चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर थाना शहर भिवानी में अभियोग दर्ज किया गया। थाना शहर भिवानी की पुलिस टीम ने मुख्य सिपाही आजाद सिंह के नेतृत्व में दोनों आरोपियों को हनुमान गेट भिवानी क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

---

**फर्जी वर्कस्लिप का हवाला देकर निर्माण मजदूरों को फर्जी बताने पर तकरार**

# निर्माण मजदूरों ने सिंचाई मंत्री के आवास पर डाला पड़ाव

भिवानी। सिंचाई मंत्री के आवास पर पड़ाव के दौरान विरोध जताते निर्माण मजदूर व कारीगर और सिंचाई मंत्री के आवास पर पड़ाव को संबोधित करते मजदूर व कारीगर नेता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के आह्वान पर भिवानी, दादरी, रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के सैंकड़ों निर्माण मजदूरों ने दूसरे दिन भी सिंचाई मंत्री के भिवानी आवास पर पड़ाव डाला और विरोध जताया। प्रदेश के सभी निर्माण मजदूर कारीगर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर होने वाली 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होकर मजदूर किसान व कर्मचारी विरोधी नीतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

रविवार को रोष प्रदर्शन एवं महापड़ाव की संयुक्त अध्यक्षता सीटू नेता धर्मवीर बामला, राजेश किकराल, एटक नेता सूबे किकराल, राष्ट्रीय कामगार संघ नेता अशोक कुमार, मनरेगा एवं मेट कामगार संगठन नेता कुलदीप बड़वा व सुजीत सिंह आदि ने की। मंच संचालन सीटू नेता अनिल कुमार ने किया।

### इन्होंने जताया रोष

रोष प्रदर्शन को सीटू नेता जयभगवान, दादरी नेता सुमेर धारणी, रामकुमार रेवाड़ी, शिवकुमार कनीना, इंटक नेता रामोतार खोरड़ा, विपिन, कृष्ण बड़सी, नरेश दादरी, रीना, एटक नेता फूलसिंह इंदौरा, सुजीत, सूबे सिंह, आईसीटीयू नेता आजाद मिरान, राष्ट्रीय कामगार संघ नेता सुरेश गुजरानी, अनिल दहिया, शेरसिंह, सकसं नेता सुमेर आर्य, मनरेगा नेता कुलदीप बड़वा, भीमसिंह व रतन जिंदल आदि ने संबोधित किया।

- 12 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होंगे प्रदेश के लाखों मजदूर कारीगर : बामला
- संगठनों ने चेताया : मजदूरों को फर्जी बताने वाली सरकार फर्जी, मजदूर फर्जी नहीं : किकराल
- सरकार ने नाम बदलकर मनरेगा को खत्म करने का काम किया : अशोक

### 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान

महापड़ाव को संबोधित करते हुए संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के ओएसडी से बातचीत के एक माह बाद भी निर्माण मजदूरों की मांगों एवं समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। श्रममंत्री अनिल विज ने श्रम कल्याण बोर्ड में फर्जी वर्कस्लिप का हवाला देकर 95 प्रतिशत निर्माण मजदूरों को फर्जी बताया हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों को फर्जी बताने वाली सरकार फर्जी है, मजदूर फर्जी नहीं है। भाजपा सरकार मनरेगा कानून का नाम बदलकर वीबी जीरामजी करके कानून को स्कीम में बदलने के जरिये मनरेगा कानून को खत्म करने का काम किया हैं। उन्होने बताया की सरकार की ऑनलाइन नीति व भ्रष्ट अधिकारियों को वर्क स्लिप वैरिफिकेशन का काम देकर सरकार ने ही श्रम कल्याण बोर्ड में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया हैं। मोर्चा के नेताओं ने सरकार को बार बार आगाह किया, लेकिन सरकार ने भ्रष्ट अधिकारियों व दलालों पर कार्यावाही करने की बजाय निर्माण मजदूरों को निशाना बनाया जा रहा हैं। सरकार भ्रष्ट अधिकारियों व दलालों पर कार्यावाही करने की बजाय वर्कस्लिप के आधार पर बहुमत निर्माण मजदूरों को फर्जी घोषित करके श्रम कल्याण बोर्ड को खत्म करने पर तुली हुई हैं, जिसको निर्माण मजदूर कारीगर बर्दास्त नहीं करेंगे। प्रदेश के सभी निर्माण मजदूर कारीगर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर होने वाली 12 फरवरी की देशव्यापी हड़ताल में शामिल होकर मजदूर किसान व कर्मचारी विरोधी नीतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

---

**कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करने पर भड़क गए शिक्षक**

# जिला मुख्यालयों पर आज गरजेंगे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा में अनियमित शिक्षकों और शिक्षा विभाग के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसलों के बावजूद सरकार द्वारा लागू की जा रही टाल मटोल की नीति के खिलाफ हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि न्यायालय के आदेशानुसार शिक्षकों और सहायक स्टाफ को नियमित नहीं किया तो गेस्ट टीचर, कौशल टीचर और कच्चा स्टाफ 19 जनवरी को पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर जोरदार प्रदर्शन करेंगे।

अध्यापक संघ के जिला सचिव सुमेर आर्य, वरिष्ठ उपप्रधान अंजु देवी, कोषाध्यक्ष अनूप सिवाच आदि ने कहा कि शिक्षा जैसे राष्ट निर्माण के कार्य को अस्थाई और असुरक्षित बनाना देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय ने 23 व 31 दिसंबर 2025 को आदेश दिए कि वर्ष 1993, 1996, 2003 व 2011 की नीतियों के तहत पात्र कच्चे कर्मचारियों को नियमित किया जाए तथा 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों के पद को सृजिक कर नीति बनाकर पक्का किा जाए। लेकिन सरकार कभी डबल बेंच तो कभी सुप्रीम कोर्ट का बहाना बनाकर न्यायालय की अवमानना कर रही है।

- केवल वेतन का नहीं, कर्मचारियों के आत्म सम्मान एवं संवैधानिक अधिकारों का संघर्ष : सुमेर

### लगभग 20 हजार अनियमित शिक्षक

अध्यापक संघ के जिला सचिव सुमेर आर्य ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि शिक्षा विभाग में लगभग 20 हजार अनियमित शिक्षक (गेस्ट टीचर, कौशल शिक्षक, आरोही स्कूल, कंप्यूटर टीचर, लैब अटेंडेंट) व करीब 50 हजार कच्चे सहायक स्टाफ (मिड-डे मील वर्कर, चौकीदार, स्वीपर, क्लर्क) पिछले 10 से 20 वर्षों से नाममात्र के वेतन पर काम कर रहे हैं, ये कर्मचारी बिना पेंशन, बिना भत्तों और बिना किसी सेवा सुरक्षा के विभाग की रीढ़ बने हुए हैं।

---

### शराब, ड्रग्स, सुल्फा, गांजा और इन्जेक्शन पर रोक लगाने की जरूरतः श्रीकृष्णा

**चरखी दादरी।** सर्वजातीय अठगामा खाप घसौला की कार्यकारिणी ने सुबह 11 बजे गांव गोठड़ा व सांय 2 बजे गांव महराणा का दौरा किया। दोनों गांवों की आम सभा की पंचायत बुलाई, जिसमें मौजूदा सरपंचों का विशेष योगदान रहा। गोठड़ा में पंचायत की अध्यक्षता वरिष्ठ नागरिक श्रीकिशन ने की तथा मुख्यतिथि अठगामा खाप संरक्षक धर्मपाल महराणा रहे। वहीं गांव महराणा में पंचायत की अध्यक्षता वरिष्ठ नागरिक दरिया सिंह ने की तथा धर्मपाल महराणा पूर्व चेयरमैन मुख्यतिथि रहे। पंचायत में सामाजिक सुधारों व सामाजिक कुरीतियों पर फैसले लिए गए, जिनमें एक ही गांव व गोत्र तथा गुहांड में शादी नहीं करना, लव मैरिज व लिव-इन-रिलेशन के लिए माता-पिता की सहमति के बिना शादी को मान्यता न दी जाए। वहीं प्रशासन से अनुरोध किया कि युवाओं में फैल रहे शराब, ड्रग्स, कोकिन, सुल्फा, गांझा, कैप्सूल, इन्जेक्शन आदि के नशे पर रोक लगाई जाए। वहीं नशा करने वालों, बेचने वालों व सप्लाई करने वालों के खिलाफ उनके परिवार व प्रशासन को सूचना दी जावे।

### हादसे में बाइक सवार प्रवासी मजदूर की मौत

**तोशाम।** शनिवार देर रात्रि तोशाम–हिसार मार्ग पर स्थित डायमंड वैली होटल के नजदीक सड़क हादसे में बाइक सवार प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान 19 वर्षीय सरफराज अहमद पुत्र अब्दु माजिद के रूप में हुई है, जो जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले के गांव डाबर पोथा का रहने वाला था। सरफराज अहमद पिछले करीब डेढ़ महीने से मनदीप बागनवाला की पोपलैंड मशीन पर ऑपरेटर के रूप में कार्यरत था। वह शनिवार शाम को तोशाम से खाना खाकर बाइक से खानक स्थित मशीन साइट की ओर जा रहा था। इसी दौरान डायमंड वैली होटल के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। सरफराज की मौके पर ही मौत हो गई।

---

**पांचवें दिन लोहानी,लहलहाना गोलागढ़ और गांव जुई पहुंची यात्रा**

# आर्य सभा की यज्ञयात्रा ने नशामुक्ति एवं प्राकृतिक खेती का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। यज्ञयात्रा में शामिल आर्य प्रतिनिधि सभा के सदस्य व ग्रामीण।

आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में स्वामी सच्चिदानंद के नेतृत्व में आयोजित 'वेद प्रचार, नशामुक्ति, प्राकृतिक कृषि संरक्षण एवं पर्यावरण शुद्धि यज्ञ यात्रा' आज अपने पांचवें दिन लोहानी, लहलहाना, गोलागढ़ और जुई पहुंची। यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में वेदों का प्रचार करना, युवाओं को नशे से दूर रखना और प्राकृतिक कृषि के प्रति जागरूक करना है।

यात्रा के लोहानी पहुंचने पर महर्षि दयानंद लाइब्रेरी में विशेष कार्यक्रम हुआ, यहां सरपंच अशोक, गायक कमल सिंह, नरेश चौहान आदि ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देंगे। लोहानी व गोलागढ़ के बाद यात्रा जुई पहुंची, जहां आशीष, बाबूलाल और उनकी टीम ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। जुई गौशाला में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालु जुटे। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध भजन उपदेशक जसविन्द्र आर्य ने अपने भजनों के माध्यम से वेदों की महिमा और सामाजिक सुधार का संदेश दिया। यात्रा का नेतृत्व कर रहे स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण की शुद्धि और स्वस्थ जीवन के लिए यज्ञ और प्राकृतिक खेती अनिवार्य है। वहीं अनिल आर्य, ऋषि आर्य, अंश आर्य, नीरज आर्य और अभिषेक ने मन्त्रपाठ में सहयोग किया। इस अवसर पर सरपंच अशोक, रमेश, गायक कमल सिंह, वीरेंद्र, अत्तर, रणबीर आदि मौजूद रहे।

---

**राष्ट्रीय युवा सप्ताह के तहत कार्यक्रम का आयोजन**

# करुणा सदन में दृष्टि, सत्य सदन में सुधीर, विश्वास सदन में सौरभ प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- केवल वेतन का नहीं, कर्मचारियों के आत्म सम्मान एवं संवैधानिक अधिकारों का संघर्ष : सुमेर

अंकों की अपेक्षा जीवन कौशल शिक्षा का मानक बनाएं, ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है जो न स्वयं और न ही समाज की भावी चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। वर्तमान में माता पिता केवल निजी स्कूलों में अपने बच्चों को प्रवेश दिलाकर अपने फर्ज की इतिश्री मान लेते हैं, ये बात निहालगढ़ टैलेंट प्रोग्राम के विजेता छात्रों को राजकीय माध्यमिक विद्यालय में पुरस्कार प्रदान करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र कुमार ने कही। राष्ट्रीय युवा सप्ताह कार्यक्रम के दौरान भावी युवाओं के लिए आयोजित जीवन कौशल ज्ञान प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्रों और अभिभावकों से रूबरू ग्रामीण विकास मण्डल अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान शिक्षा अंकों की अंधी दौड़ में फस कर अपने उद्देश्य से भटक चुकी है।

प्रतियोगी परीक्षा में छात्रों के भाषा ज्ञान को देखकर बेहद चौंकाने वाली स्थिति सामने आ रही है। पूर्व सरपंच शिवपाल सिंह ने बताया कि डेढ़ घंटे की लिखित परीक्षा में 55 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें करुणा सदन में दृष्टि प्रथम, वंश द्वितीय और पृवी तीसरे स्थान पर रही। सत्य सदन में सुधीर प्रथम, भावना को दूसरा तथा गरिमा को तीसरा स्थान मिला। कक्षा दस से बारहवीं तक के विश्वास सदन में सौरभ पहले और सुमित दूसरे स्थान पर रहा।

---

### बाढ़ड़ा उपमंडल व तहसील कार्यालय के सामने बह रहा दूषित पानी

**बाढड़ा।** उपमंडल बने करीब नौ वर्ष बीत जाने के बावजूद बाढड़ा कस्बे के मुख्य मार्गों पर अब तक नालों का निर्माण नहीं हो सका है। इसके चलते सडक़ों पर लगातार दूषित पानी भरा रहता है, जिससे प्रतिदिन करीब सात हजार से अधिक लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाढड़ा-दादरी रोड पर नाला तो बना हुआ है, लेकिन आगे कनेक्शन नहीं होने के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं बाढड़ा-सतनाली, झोझूकलां व बाढड़ा-जुई रोड पर नालों का निर्माण नहीं होने से सडक़ पर घरों व दुकानों का दूषित पानी बह रहा है। इससे कस्बे के दुकानदारों व राहगीरों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार राकेश, साहिल, सुरेश, सांगवान, सुनील, शेर सिंह, संदीप सांगवान, मंजीत,अशोक,अनिल सहित अन्य लोगों ने बताया कि नालों के अभाव में सडक़ पर हर समय दूषित पानी भरा रहता है। कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को इस समस्या से अवगत करवाया गया, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है, जिससे लोगों में रोष बना हुआ है।

- उपमंडल बने हो चुके हैं नौ साल, अभी भी नहीं सुधरे हालात

### सरकार सार्वजनिक संपत्तियों को बेच रही और देश को पाखंड की ओर धकेल रही

**लोहारू।** संयुक्त किसान मोर्चे द्वारा उपमंडल कार्यालय में जारी अनिश्चितकालीन महापड़ाव को 187 दिन पूरे हो गए तथा किसानों का जोश कम नहीं हुआ है। रविवार को धरने पर किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि वे अपना हक लेकर रहेंगे। कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि भाजपा सरकार पूरे देश में धर्म,जाति और भाषा के आधार पर लोगों को बांट कर वोट बटोरने का काम कर रही है। कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि निरंतर देश की सार्वजनिक संपत्तियों को बेच रही है और देश को पाखंड की और धकेल रही है। जनविरोधी नीतियों द्वारा किसान, मजदूर, छोटे व्यापारियों का शोषण कर रही है। मास्टर जगरोशन ने बताया कि हरियाणा सरकार किसानों को नित नए फरमान जारी करके परेशान कर रही है। किसान पहचान पत्र बनवा रही है।किसानों का बीमा, मुआवजा नहीं मिला है। समय पर खाद नहीं मिलती। रविवार को धरने की अध्यक्षता रामपाल सिंघानी, सुमेर सिंह गिगनाऊ, सूबेदार धनपत सिंह, मेवासिंह आर्य व सुरेंद्र खरकड़ी ने की। मंच संचालन सुरेन्द्र, नरेन्द्र व जयसिंह गिगनाऊ ने किया।

- महापड़ाव के 187 दिन बाद भी किसानों का जोश बरकरार

---

**तैयारी** दोपहर तक वाहनों के पहियों पर धुंध ने लगाए ब्रेक

**रविवार अल सुबह धुंध में दृश्यता काफी कम रही, रेंग-रेंग कर चल रहे थे वाहन**

# धुंध व ठंड का वही हाल,18 दिन के बाद स्कूलों में आज पहुचेंगे नौनिहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सोमवार को करीब 18 दिन के शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूल खुलने जा रहे है। स्कूलों में क्लासें लगाने की पूरी तैयारी कर ली है, लेकिन जिस चीज के डर से स्कूलों में बालकों की छुट्टी की थी वह डर अभी भी बरकरार है। पहले की भांति अभी भी धुंध व शीत लहर का शीतम जारी है।

रविवार अल सुबह धुंध में दृश्यता जीरों रही। वहीं शीत लहर से लोगों की कंपकपी छूटती रही। वह बात दिगर है कि 11 बजे के आसपास धूप निकली तो लोगों को कड़ाके की ठंड से कुछ हर तक राहत मिली। पर अभी भी हाड कंपा देने वाली ठंड जारी है। उसके बावजूद स्कूलों में सोमवार से नियमित पढाई शुरू हो जाएगी। दूसरी तरफ स्कूलों के खुलने का शैडयूल आने के बाद सफाई व्यवस्था चौकस की जा रही है।

### वाहन चालकों को गंतव्य तक पहुंचने में लगा ज्यादा समय

रविवार सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त चहुंओर धुंध की चादर तनी हुई थी। दृश्यता बेहद कम थी। कहीं पर तो जीरों ही दृश्यता बची थी। एक वाहन दूसरे वाहन के पीछे लग कर चल रहे थे। वाहन चालकों को गंतव्य तक पहुंचने में दो से ढाई गुणा समय लगा। यह स्थिति सुबह करीब नौ बजे तक रही। इस दौरान हवा ने थोड़ी से गति पकड़ी तो धुंध के बादल छंटने लगे। उसके बाद करीब 11 बजे सूर्यदेव के दर्शन हुए तो धुंध के बाद पूरी तरह से छंट गए। तब जाकर लोगों की दिनचर्या पटरी पर आई।

---

# मोहित ने राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

खेलों के क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश की भारतवर्ष में तूती बोल रही है आज हरियाणा के गांवों के बच्चे भी अपनी सीमित सुविधाओं के चलते अपनी विलक्षण प्रतिभा के कारण गोल्ड मेडल विजेता बन रहे हैं। इसी कड़ी में खंड बवानी खेड़ा के गांव बडसी के होनहार बेटे कुमार मोहित पुत्र प्रेम कुमार ने राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता में खेलकर गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपने गांव जिला प्रदेश का नाम रोशन किया है।

- गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने किया स्वागत

मोहित के गांव पहुंचते ही गांव वालों ने मोहित को और मोहित के कोच फुटबॉल जगत की जानी मानी हस्ती गोरधन दास शर्मा पीटीआई को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। खेल विभाग की जूनियर फुटबॉल प्रशिक्षिका पूनम यादव, गोरधन सिंह ने बताया कि यह स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता हरियाणा के पानीपत में आयोजित हुई जिसमें मोहित में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल जिताया । आज के सम्मान समारोह में सरपंच रतन सिंह, सरपंच सतीश कुमार, फुटबॉल नर्सरी कोच रोहित कुमार, मोहित के स्कूल के प्रिंसिपल राजेश मोर सहित अनेक खेल प्रेमी व ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

भिवानी। खिलाड़ी को सम्मानित करते हुए।

*समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।*

**- मुंशी प्रेमचंद**

*मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य है। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।*

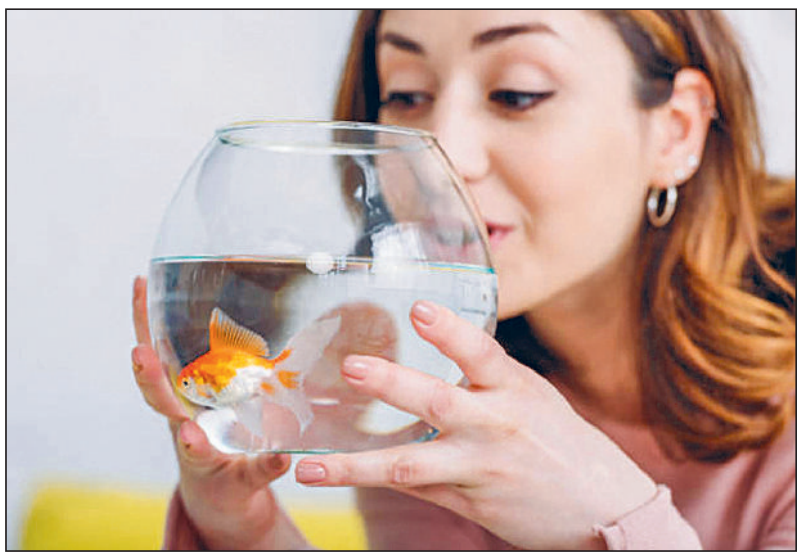

कहानी

**सुदर्शन रत्नाकर**

# अकेलेपन का दंश

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिंहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

*मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।*

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होंगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

---

कविता **चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'**

## मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे ज़मीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह ज़रूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

कविता **लता**

## पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आजादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

लघुकथा **राजश्री गौड़**

## हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की खुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

---

# प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

मंथन **कमलेश शर्मा**

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

**महाकवि सूरदास :** फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

**संत गरीबदास :** इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

**महाकवि संतोख सिंह :** इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

**बाबू बालमुकुंद गुप्त :** रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

**पंडित माधव प्रसाद मिश्र :** इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

**तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' :** भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

**पंडित लखमीचंद :** पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

**हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।**

**बाजे भगत :** बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूतियाँ डाली।

**राजाराम शास्त्री :** हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

---

# जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

**पुस्तक :** मुनासिब
**लेखक :** चरणजीत चरण
**मूल्य :** 200 रुपये
**प्रकाशक :** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा **डॉ. विजेंद्र कुमार**

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती है:

*दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली*
*अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा*

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता है:

*न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था*
*जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था*

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता है:₹कौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगेतुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगे₹यह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

## खबर संक्षेप

### भारतीय परंपराओं को अपनाने का आह्वान

**चरखी दादरी।** घिकाड़ा रोड स्थित हरिओम आश्रम परिसर में मौनी अमावस्या के उपलक्ष्य में महिला श्रद्धालुओं ने भजन संगीत किया और सबको आपसी सौहार्द को बढाने व भारतीय परंपराओं को हमेशा आगे बढ़कर अपनाने का आह्वान किया।

### अमावस्या पर गोवंश के लिए लगाई सवामणी

**चरखी दादरी।** गांव रामपुरा डूडीवाला स्थित गोपाल गोशाला परिसर में अपनी सामाजिक कार्यक्रमों की मुहिम के तहत अमावस्या पर पूर्व जिला पार्षद एवं पूर्व राजीव गांधी पंचायती राज चेयरमैन सुमित शर्मा डूडीवाला व उनके परिजनों ने गोवंश के लिए सवामणी लगाई। गोशाला में लालन पालन पा रही गौ माताओं व गौवंशों को दलिया, गुड, हरा चारा व अन्य भोज्य पदार्थ अर्पित किए गए। इस दौरान महंत गोवर्धन महाराज द्वारा उनके कार्य की सराहना की गई।

### अतर सिंह श्योराण के निधन पर शोक जताया

**बाढड़ा।** व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष संदीप सिंटी के ताऊ अतरसिंह के निधन पर अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंच कर गहरी संवेदना प्रकट की। अतर सिंह श्योराण के निधन पर विधायक उमेद पातुवास, पूर्व विधायक सोमवीर श्योराण, पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी, जजपा किसान सैल प्रदेशाध्यक्ष नरेश द्वारका, जिला प्रभारी ऋषिपाल उमरवास, भाजयूमो प्रभारी वरुण श्योराण गागड़वास, पूर्व चेयरमैन भल्लेराम बाढड़ा, राजू मान, हलकाध्यक्ष विजय श्योराण, राजेंद्र सिंह हुई, पूर्व सरपंच सुरेश धनासरी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुंदरपाल, राजकुमार जेवली आदि ने शोक जताया।

### शोकाकुल परिवार के प्रति व्यक्त की संवेदना

**भिवानी।** रिटायर्ड ईटीओ दीवान सिंह रंगा की तेहरवीं पर रविवार को उनके पैतृक गांव मकड़ाना में विभिन्न सामाजिक संगठनों, खाप प्रतिनिधियों तथा राजनेताओं ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वे ईटीओ पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके बेटे सुनील रंगा जन स्वास्थ्य विभाग में अधीक्षण अभियंता, दूसरे बेटे संजय रंगा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में कार्यकारी अभियंता, बेटी डॉ सरोज डिप्टी सिविल सर्जन तथा दामाद डॉ राजवीर सिंह डिप्टी सिविल सर्जन के पद पर कार्यरत है। स्वर्गीय दीवान सिंह के फूफाजी सूबेदार प्रभु सिंह सरकार में मंत्री तथा राज्यसभा सांसद भी रहे हैं।

### गुरु रविदास जयंती पर संत समागम होगा: सुनीता

**भिवानी।** भिवानी में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पर संत गुरु रविदास महासभा हरियाणा तथा रविदासिया समाज के सहयोग से भिवानी के हुड्डा ग्राउंड में 31 जनवरी संत समागम का आयोजन किया जाएगा, महासभा की प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सुनीता गोलपुरिया फेडरेशन के प्रवक्ता परमहंस चोपड़ा ने बताया कि भिवानी में गुरु रविदास जयंती पर पहली बार संत समागम का आयोजन किया जाएगा ।

## ब्रह्मावत्सों ने प्रजापिता ब्रह्मा बाबा को किया नमन

# ब्रह्मा बाबा की जलाई आध्यात्मिक ज्योति पूरे विश्व को कर रही रोशन

**ब्रह्मा बाबा के 57वें स्मृति दिवस पर राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने किया संबोधित**

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

**बचपन में ही हो गया था मां का देहांत**

**बीस वर्ष की आयु में पिता भी छोड़ चले**

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धिधाम में ब्रह्मा बाबा के 57 वें स्मृति दिवस पर राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन की उपस्थिति में ब्रह्माकुमार-कुमारियों ने उन्हें याद किया। बीके सुमित्रा ने बताया कि 18 जनवरी विशेष अव्यक्त दिवस है जिस दिन प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने 18 जनवरी 1969 के दिन सम्पूर्णता प्राप्त की थी। ब्रह्मा बाबा का लौकिक नाम लेखराज कृपलानी था एवं उनका जन्म 15 दिसंबर 1884 को पाकिस्तान के सिन्ध हैदराबाद में पिता खूबचंद कृपलानी के घर में हुआ था। करीब 20 साल की आयु में ब्रह्मा बाबा के पिता खूबचंद का भी देहांत हुआ व मां का देहान्त उनकी अल्पायु में ही हो गया था। उन्होंने कहा कि वर्ष 1935 -36 से ही ब्रह्मा बाबा दादा लेखराज को परमात्मा द्वारा साक्षात्कार होने लगे थे। उस समय उनको यह निश्चित नहीं था कि यह सब कौन कर रहा है। दैवीय प्रेरणा अनुसार उन्होंने एक पाठशाला का आरम्भ कर, आने वाले बच्चों को गीता के पाठ व आध्यात्मिक संस्करण सुनाने लगे थे।

ब्रह्मा बाबा ने अपने स्वयं के सत्संग का प्रचार करना या संचालन करना शुरू कर दिया , जिसने 1936 तक, लगभग 300 को आकर्षित किया था। 1937 में लेखराज ने अपने सत्संग के कुछ सदस्यों को प्रबंध समिति का नाम दिया और अपनी संपत्ति समिति को हस्तांतरित कर दी। यह समिति, जिसे ओम मंडली के नाम से जाना जाता है , ब्रह्मा कुमारियों का केंद्र थी। अपने अनुयायियों के परिवार के सदस्यों के उत्पीडन, कानूनी कार्रवाइयों और विरोध से बचने के लिए, लेखराज समूह को हैदराबाद से कराची ले गए , जहां वे एक उच्च संरचित आश्रम में बस गए।

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा को नमन करते बीके भाई बहन। फोटो : हरिभूमि

### ये रहे मौजूद

भारत के विभाजन के बाद , ब्रह्मा कुमारियाँ 5 मई 1950 को भारत में माउंट आबू राजस्थान में स्थानांतरित हो गईं । 18 जनवरी 1969 को लेखराज की मृत्यु हो गई और बाद में ब्रह्माकुमारीज का विस्तार अन्य देशों में हो गया। इस अवसर पर बीके आरती, बीके भीमसिंह चौहान, बीके रामनिवास सैय, बीके कृष्ण रानीला, बीके नीलम, बीके गीता, बीके माया, बीके कविता, बीके शारदा, बीके संतोष, बीके सुशील, बीके महेश व मीडिया कॉर्डिनेटर बीके धर्मवीर सहित अनेक ब्रह्मावत्स उपस्थित रहे।

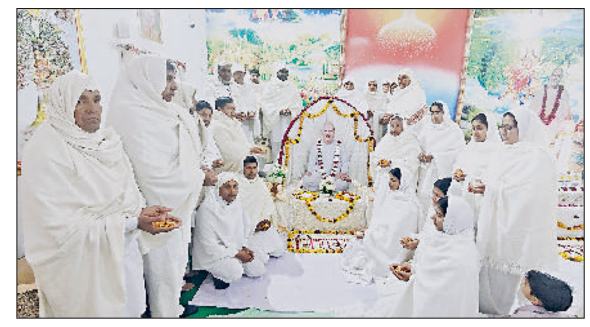
चरखी दादरी। बह्मा बाबा को नमन करते बीके भाई बहन। फोटो : हरिभूमि

### पवित्रता की प्रतिमूर्ति एवं नारी शक्ति के प्रबल हिमायती थे ब्रह्मा बाबा: बीके वसुधा

- **नारी नरक का द्वार नहीं सिर का ताज, नारी अबला नहीं सबला है और शक्ति स्वरूपा है : बीके वसुधा**

**चरखी दादरी।** त्याग, तपस्या, सेवा के साथ पवित्रता की प्रतिमूर्ति व नारी शक्ति के प्रबल हिमायती थे श्रीब्रह्मा बाबा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के संस्थापक ब्रह्मा बाबा की आज 18 जनवरी को 57वीं पुण्यतिथि स्मृति दिवस हैं, जिसे विश्वभर में विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारी वसुधा ने कहा कि नारी शक्ति का विश्व का सबसे बड़ा और विशाल संगठन की नींव रखने वाले ब्रह्मा बाबा ने बताया कि नारी नरक का द्वार नहीं सिर का ताज है, नारी अबला नहीं सबला है, वह तो शक्ति स्वरूपा है। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक दादा लेखराज कृपलानी जिन्हें सभी प्यार से ब्रह्मा बाबा कहकर पुकारते हैं। 18 जनवरी 1969 को 93 वर्ष की आयु में संपूर्णता की स्थिति प्राप्त कर बाबा अव्यक्त हो गए थे।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते गौरव सम्पत सिंह।

## युवाओं के हकों की लड़ाई का शंखनाद, सम्मेलन 2 को: गौरव

- 2 फरवरी को भिवानी में होने वाले इनेलो युवा प्रकोष्ठ के सम्मेलन को लेकर रणनीति तैयार
- भिवानी पहुंचे इनेलो प्रदेश प्रधान महासचिव गौरव संपत सिंह, युवा प्रकोष्ठ सम्मेलन को लेकर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और युवा सम्मेलन को लेकर अपनी कमर कस ली है। रविवार को स्थानीय बड़ चौक स्थित भगवान परशुराम धर्मशाला में इनेलो युवा प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव एवं भिवानी जिला प्रभारी गौरव संपत सिंह ने शिरकत की और कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस दौरान आईएसओ के प्रदेश अध्यक्ष साहिलदीप कस्वा भी मौजूद रहे। वही बैठक की अध्यक्षता इनेलो जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु तथा युवा जिला अध्यक्ष संदीप घणघस ने की। इस दौरान उन्होंने 2 फरवरी को भिवानी में होने वाले इनेलो युवा प्रकोष्ठ के सम्मेलन को लेकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

### कर्ण चौटाला पहुंचेंगे

इनेलो प्रदेश प्रधान महासचिव गौरव संपत सिंह ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत उसका युवा विंग होता है। उन्होंने 2 फरवरी को परशुराम धर्मशाला में होने वाले प्रदेश स्तरीय युवा प्रकोष्ठ सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन को युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्ण सिंह चौटाला संबोधित करने पहुंचेंगे। 2 फरवरी का सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हरियाणा के युवाओं के हकों की लड़ाई का शंखनाद होगा। इस मौके पर आईएसओ के प्रदेश अध्यक्ष साहिल दीप कस्वा ने कहा कि भिवानी जिला हमेशा से इनेलो का गढ़ रहा है तथा इस बार भी यहां के युवा रिकॉर्ड संख्या में शिरकत करेंगे। इस मौके पर इनेलो जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु ने कहा कि पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता धरातल पर सक्रिय है। उन्होंने बताया कि गांव-गांव जाकर युवाओं को पार्टी की नीतियों से जोड़ा जा रहा है। ढ़ाणीमाहु ने विश्वास जताया कि भिवानी से हजारों की संख्या में युवा सम्मेलन में पहुंचकर पार्टी नेतृत्व को मजबूती प्रदान करेंगे। इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष संदीप घणघस ने बैठक में प्रत्येक हल्के की जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं।

## परमजीत सिंह मड्डू बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव तिगड़ाना, घुसकानी की संयुक्त मीटिंग गोशाला तिगड़ाना में आयोजित की गई जिसका मुख्य एजेंडा कार्यकारिणी का चुनाव करवाना था। गांव तिगड़ाना, घुसकानी से आए सभी सम्मानित सदस्यों ने काफी विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से परमजीत सिंह मढ्‌डू को प्रधान चुना गया। उपप्रधान नेत्रपाल पूर्व सरपंच, नरेन्द्र फौजी व रामविलास शर्मा व नेत्रपाल खंडेरा को चुना गया। सचिव पद की जिम्मेदारी राजेंद्र थानेदार, नरेश पटवारी व कर्मवीर दहिया को दी गई। मास्टर रमेश शर्मा व कमल फ़ौजी को खजांची की जिम्मेदारी दी गई।

भिवानी। कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

### कार्यकारिणी में ये हुए शामिल

कार्यकारिणी में सर्व प्रदीप ढाला पूर्व सरपंच, रविंद्र साहब, संजू मेंबर, शैली जैलदार, राजेश प्रधान, दीपा तंवर, मेनपाल शेखावत ,कर्मवीर तंवर, होशियार फौजी, भूप सिंह, अनिल परमार ,कमल फौजी, इंस्पेक्टर ईश्वर घुसकानी, राजकुमार जमीदार, काला मेंबर,अनिल शर्मा पंच, अपल राजपूत ,सुरेंद्र सरपंच, कृष्ण जिला पार्षद, रमेश सोनी, हंसी प्रधान, रामपाल तिगड़ी,मास्टर प्रदीप, संदीप दुकानदार, वीरेंद्र प्रधान, लाला फौजी,कमलेश्वर, दिनेश,सीताराम चेयरमैन, कैप्टन नरेंद्र सिंह,वीरेंद्र प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से शामिल किया गया है।

## माता सीता के विवाह की कथा सुनाई

- गृहस्थ जीवन में मर्यादा एवं धर्म के पालन का सबसे बड़ा उदाहरण श्रीराम विवाह कथा : पंडित विजय

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हनुमान जोहड़ी धाम में माघ मास के पावन अवसर पर मासिक माघ मेला महोत्सव भक्ति के चरमोत्कर्ष पर है। मंदिर के महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित महोत्सव ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक रंग में सराबोर कर दिया है। महोत्सव के विशेष सत्र में कथाव्यास पंडित विजय भारद्वाज ने भगवान श्रीराम और माता सीता के मंगल विवाह की कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। कथाव्यास पंडित विजय ने अमृतमयी वाणी से श्रीराम-सीता विवाह के प्रसंग को जीवंत किया। पंडित विजय ने केवल श्रीराम ही नहीं, बल्कि लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न के विवाह का भी अत्यंत मनोहारी वर्णन किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान रहा। पंडित विजय ने कहा कि भगवान और भक्त का संबंध अटूट होता है, जिस प्रकार माता सीता ने मन ही मन प्रभु राम को वरण किया था, उसी प्रकार भक्त का हृदय भी ईश्वर के प्रति समर्पित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीराम का विवाह केवल एक कथा नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन में मर्यादा और धर्म के पालन का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस मौके पर ख्यालीराम, अजय शर्मा, ओमप्रकाश, मोहित, सुनील गर्ग, नीलम गुर्जर, अनिता, भतेरी, विद्या, सरोज कौशिक, मुस्कान वर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। हनुमान जोहड़ी मंदिर में श्रीराम विवाह मंचन में भाग लेते बाल कलाकार।

### सत्संग का महीना

महंत चरणदास ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए माघ मास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माघ मास दान, पुण्य व सत्संग का महीना है। हनुमान जोहड़ी धाम में आयोजित यह मासिक मेला समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का प्रयास है। भगवान राम का चरित्र हमें हर परिस्थिति में धैर्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस दौरान कार्यक्रम की मुख्य यजमान दनवंती एवं उनकी पुत्री सोनिया खुंडिया रही।

## पंजाबी जागृति मंच ने मनाया लोहड़ी पर्व व पारिवारिक मिलन कार्यक्रम

**भिवानी।** पंजाबी जागृति मंच भिवानी द्वारा कृष्णा कालोनी में लोहड़ी पर्व व पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंजाबी समाज के सभी सदस्यों ने लोहड़ी जलाकर उत्सव मनाया। पंजाबी जागृति मंच के प्रधान दर्शन कुमार मिड्ढा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान होनहार बच्चों को सम्मानित किया। हिमानी टुटेजा सीए को शानदार परिणाम के लिए, हिमानी अरोड़ा को एल.एल.एम में गोल्ड मेडल लाने पर व यमन दिनोदिया को एम.ए योग में गोल्ड मेडल लाने पर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पंजाबी जागृति मंच द्वारा एक वाटर कूलर जोकि बाल भवन में लगाया गया तथा समय-समय पर स्वेटर वितरण, गरीब बच्चों को किताबें दी जाती है। इस अवसर पर विजय टुटेजा, मनोहर लाल सरदाना, जगन्नाथ गंभीर, विवेक चौधरी, हर्षदीप डूडेजा, बिशंबर अरोड़ा, सुशील सरदाना आदि मौजूद रहे।

## 1386 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

- दा वेदांता स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल की ओर से स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में महेंद्रगढ़, नारनौल, अटेली व आसपास के गांवों से कुल 1386 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा में भाग लेने आए बच्चों में विद्यालय के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर व उपलब्ध सुविधाओं को देखकर विशेष उत्साह देखने को मिला। परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ विद्यालय पहुंचे। उन्होंने स्कूल की ओर से दी जा रही शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक सुविधाओं तथा बच्चों के भविष्य से संबंधित योजनाओं की सराहना की।

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

### विद्यार्थियों को मिलेंगी सभी सुविधाएं

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार यादव ने बताया कि दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल हर ऐसे होनहार बच्चे को स्कॉलरशिप प्रदान करेगा, जो शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। विद्यालय के प्राचार्य अनिल मुखिजा ने बताया कि स्कूल खेलकूद, कला और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यार्थियों को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराएगा ।

## भाजपा में कार्यकर्ता केवल एक सदस्य नहीं, बल्कि पार्टी की रीढ़ : कौशिक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए जमीन तैयार करने के उद्देश्य से भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने भिवानी जिले के सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करने पहुंचे।

इस दौरान जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने सैक्टर-13 व 23, सिटी स्टेशन क्षेत्र, देव नगर, राजीव कॉलोनी, विकास नगर, कीर्ति नगर में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं द्वारा फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी केवल अपने नेतृत्व के कारण नहीं, बल्कि अपने निष्ठावान कार्यकर्ताओं की बदौलत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता केवल एक सदस्य नहीं, बल्कि पार्टी की रीढ़ है।

भिवानी। आयोजित बैठक में आगे की रणनीति बनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

## मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों ने जांचा स्वास्थ्य

- बापोड़ा में नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, 400 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राष्ट्र सेवा और देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए रविवार को पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल वीके सिंह के पैतृक गांव बापोड़ा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। दिनोद गेट स्थित अंचल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल द्वारा आयोजित इस शिविर में 400 के करीबन पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों ने अपनी सेहत का परीक्षण करवाया। शिविर का उद्देश्य पूर्व सैनिकों व उनके परिजनों को स्वस्थ रखना है। ग्रामीण क्षेत्र में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से इस शिविर में न केवल भिवानी के विशेषज्ञों, बल्कि मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम के अनुभवी चिकित्सकों ने भी सेवाएं दीं।

भिवानी। शिविर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

### गंभीर रोगों को लेकर परामर्श दिया

शिविर के दौरान अत्याधुनिक मशीनों द्वारा विभिन्न प्रकार की जांचें पूरी तरह मुफ्त की गईं, जिनमें हृदय और फेफड़ों की जांच, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन और ब्लड प्रेशर की जांच तथा विशेषज्ञों द्वारा गंभीर रोगों के प्रति परामर्श और बचाव के उपाय शामिल रहे। डा. विनोद अंचल ने कहा कि यह केवल एक दिन का प्रयास नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा में जीवन समर्पित करने वाले सैनिकों को समय-समय पर ऐसी सेवाएं दी जाती रहेंगी। सेना से सेवानिवृत्त बुजुर्गों ने अंचल अस्पताल की इस जनसेवा की भावना का आभार व्यक्त किया।

**स्वागत** कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर व लड्डू खिलाकर किया गांधी का सम्मान

# पार्टी कार्यकर्ता बोले- संजय गांधी की नियुक्ति से जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूती मिलेगी

- जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त उपप्रधान संजय गांधी का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशानुसार कांग्रेस के शहरी जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने टीम का विस्तार करने के बाद रविवार को नवनियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान में कार्यक्रमों का दौर जारी रहा। इसी कड़ी में नवनियुक्त उपप्रधान संजय गांधी के सम्मान में हुन्नामल प्याऊ के समीप अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में निवासियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में शिरकत की तथा उपस्थित लोगों ने नवनियुक्त उपप्रधान संजय गांधी को फूल-मालाओं से लाद दिया और लड्डू खिलाकर उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि संजय गांधी की नियुक्ति से जमीन स्तर पर पार्टी को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर रामबीर चौहान, हनुमान गोस्वामी, नवनीत परमार, चांद पंघाल, पंकज चावला, संजय चावला, रामकिशन, सोनू जांगड़ा, आशु चौहान, सुनील तंवर, विशांत गुलिया, राजू तोगडिया, जितेंद्र राजपूत व सुनील शर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। कांग्रेस के नवनियुक्त उपप्रधान संजय गांधी का अभिनंदन करते कार्यकर्ता।

### शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया

वहीं सम्मान से गदगद संजय गांधी ने प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, सीएलपी लीडर एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप जोगी सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता पर जो विश्वास पार्टी ने जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। गांधी ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य कांग्रेस की जनहितैषी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाना है।

## खबर संक्षेप

### जांगिड़ ब्राहमण सभा की बैठक 20 को

**बाढड़ा।** जांगिड़ ब्राहमण सभा की बैठक आगामी 20 जनवरी को दोपहर एक बजे जांगड़ा धर्मशाला बाढड़ा में आयोजित होगी। यह जानकारी संस्था सचिव रामपाल कारी ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में विभिन्न मुद्दों पर गहनता से विचार विमर्श किया जाएगा जैसे कि सामाजिक एकता, धर्मशाला में नवनिर्माण एवं आगामी कार्यक्रम आदि। सचिव रामपाल कारी ने समाज के प्रबुद्धजनों से आह्वान किया है कि बैठक में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंच कर अपने विचार प्रकट कर मार्गदर्शन करें।

### पुलिस लाइन में किया योगाभ्यास

**भिवानी।** सूर्य नमस्कार अभियान 2026 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के निर्देशानुसार भिवानी पुलिस द्वारा जिला पुलिस लाइन भिवानी में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार एवं योगासन कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक गजानंद शास्त्री द्वारा सूर्य नमस्कार के सही तरीके, उसके लाभों तथा नियमित योग अभ्यास से होने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर कल्याण निरीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए शारीरिक फिटनेस और मानसिक संतुलन अत्यंत आवश्यक है।

## बवानीखेड़ा हलके के सैकड़ों लोग विधायक से मिलने पहुंचे

# विधायक ने लोगों की शिकायतें सुनीं, समाधान के निर्देश दिए

■ हर शनिवार को बवानी खेड़ा विश्राम गृह में जनता मिलन कार्यक्रम का होता है आयोजन

दीपक कुमार डुमड़ ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा हलका विधायक कपूर वाल्मीकि के निवास स्थान पर रविवार को हल्के से आए सैकड़ों नागरिकों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और विधायक को अपनी समस्याओं के बारे में बताया। इस दौरान नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा कई विषयों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। उल्लेखनीय है कि बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि द्वारा हर शनिवार को बवानी खेड़ा विश्राम गृह में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। किसी कारणवश पार्टी कार्यों या अन्य कारणों से जनता मिलन कार्यक्रम न हो तो अगले दिन स्वयं के निवास स्थान पर जनता की समस्याओं को सुना जाता है। इस कार्य से जनता उनसे रूबरू होती है और विधायक की कार्यप्रणाली की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की जाती है। क्योंकि हलके की जनता स्थानीय नुमाइंदे से न मिलने को लेकर अक्सर नाराज प्रतीत दिखाई देती थी लेकिन अबकी बार विधायक कपूर वाल्मीकि को जनता ने चुनकर विधानसभा भेजने का कार्य किया है और कपूर वाल्मीकि ने भी चुनावों से पहले वादा किया था कि विधायक बनने पश्चात जनता के बीच पहले की तरह घुममिलकर रहेगे।

बवानीखेड़ा। लोगों की समस्याएं सुनते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

### आज लगेगा विशेष कैंप

बवानी खेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क में सोमवार को साढ़े ग्यारह बजे शहर एवं उसके आसपास के समस्त गांवों में निवास करने वाले नागरिकों को जागरूक करने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के अंतर्गत एक विशेष कैंप आयोजित होगा। इस कैंप की अध्यक्षता विधायक कपूर सिंह द्वारा की जाएगी। कैंप में विशेष रूप से नपा प्रधान सुंदर अत्री, पार्षदगण, सामाजिक संस्थाओं के लोग सहित विभाग के आलाधिकारी व कर्मचारी पहुंचकर योजनाओं का लाभ जानेंगे। कैंप में बिजली निगम के उच्च अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जानकारी देते हुए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के उपमंडल अभियंता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि सोमवार को प्रातः साढ़े 11 बजे गुलाब सिंह पार्क बवानी खेड़ा में कैंप आयोजित किया जाएगा।

### पानी-बिजली समस्याओं का तत्काल किया समाधान

रविवार को विधायक कपूर वाल्मीकि के निवास स्थान पर कुछ लोगों द्वारा बिजली पानी की समस्या बताने पर विधायक ने तुरंत प्रभाव से उनकी समस्या का समाधान किया। वहीं उन्होंने बताया कि जो मांगपत्र पंचायतें व आम नागरिक उन तक पहुंचाने का कार्य करता है जल्द ही सभी कार्य पूरे होगे। क्योंकि सरकार के कोष राशि से लबालब हैं। वहीं उन्होंने बताया कि सोमवार को बिजली विभाग द्वारा लगाए कैंप में सभी पहुंचकर इसका लाभ उठाना सुनिश्चित करें।

# स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार लें

## दवाइयों से बेहतर परहेज रखेगा आपको स्वस्थः डॉ. अस्मिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

नर सेवा नारायण सेवा के पावन भाव से प्रेरित होकर आरंभ किए कलावती अस्पताल द्वारा दादरी क्षेत्र में जनसेवा की सराहनीय पहल की जा रही है। अस्पताल की ओर से लगातार निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका लाभ बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उठा रहे हैं। अस्पताल की तरफ से गामड़ी के जाट धर्मशाला में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर के दौरान मरीजों से संवाद करते हुए डॉ. अस्मिता फौगाट ने कहा कि दवाइयों से अधिक जरूरी सही जीवनशैली और परहेज है। उन्होंने कहा कि इलाज से बेहतर परहेज होता है और वहीं डॉक्टर श्रेष्ठ होता है जो केवल दवाइयों से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार, परामर्श और सही मार्गदर्शन से मरीज को स्वस्थ करने का प्रयास करें। डॉ. अस्मिता फौगाट ने लोगों को संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच को अपनाने की सलाह दी।

चरखी दादरी। मरीजों की जांच करते डॉक्टर ।

### गुप्त नवरात्र आत्मशुद्धि, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का पर्व : सैनी

**भिवानी।** सनातन धर्म में गुप्त नवरात्रों का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। ये नवरात्र साधना, संयम और आत्मशुद्धि के पर्व माने जाते हैं, जिनमें गुप्त रूप से की गई पूजा शीघ्र फल प्रदान करती है।

कोंट रोड, मिनी बायपास, काली माता मंदिर रोड स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर की प्रबंधक उर्मिला सैनी वं मंदिर के पुजारी शुभम ने संयुक्त रूप से गुप्त नवरात्रों की पूजा विधि और इसके सामाजिक संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया गया कि गुप्त नवरात्रों में प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर पूजा प्रारंभ करनी चाहिए।

## रक्तदान मानवता के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : बराड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल पेश करते हुए प्रोत्साहन सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में आज जुई खुर्द स्थित एस.सी. चौपाल में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों और ग्रामीण नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान के माध्यम से अनगिनत जिंदगियों को बचाने का संकल्प दोहराया। इस रक्तदान शिविर को एम्स बाढ़सा की ब्लड बैंक टीम का पूर्ण तकनीकी एवं चिकित्सकीय सहयोग प्राप्त हुआ। एम्स की अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा रक्त संग्रह की प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित, वैज्ञानिक और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया गया, जिससे रक्तदाताओं में विश्वास और उत्साह बना रहा। यह शिविर न केवल रक्त संग्रह का माध्यम बना, बल्कि समाज में यह सशक्त संदेश भी छोड़ गया कि रक्तदान महज एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। शिविर के आयोजक सुमित बराड़ ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में जब इंसान अपनों के लिए भी समय नहीं निकाल पाता।

# 'वीबी-जी राम जी योजना' आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करेगी: डॉ. अभय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखीदादरी

जिला चरखी दादरी के कमलम कार्यालय में 'विकसित भारत-जी राम जी योजना' को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया। कार्यशाला के मुख्यतिथि पूर्वमंत्री डॉ. अभय सिंह यादव रहे तथा अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर ने की। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्रमिकों के कल्याण और गांवों के समग्र विकास की दिशा में यह योजना एक ऐतिहासिक पहल है। 'वीबी-जी राम जी योजना' ग्रामीण श्रमिकों, किसानों व मेहनतकश परिवारों के सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनेगी तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करेगी। उन्होंने कहा कि वीबी-जी राम जी कानून का मूल उद्देश्य उन वास्तविक श्रमिक लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जिन्हें पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों के कारण उनका अधिकार नहीं मिल पाया। अब हमारा दायित्व है कि इस योजना की सही और पूर्ण जानकारी हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाई जाए, ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक भी विकास की रोशनी पहुंचे।

चरखी दादरी। जिला स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते पूर्वमंत्री डॉ. अभय सिंह।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता दांगी, जिला महामंत्री रविंद्र शिलगर, जिला उपाध्यक्ष जगदीश राय फौगाट एवं जगदीश पूर्व सरपंच, प्रदेश संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ. संजीव मडिया, जिला कोषाध्यक्ष किदार नाथ सरोहा, अमरदीप धारीवाल, ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोज जोगी, कश्मीरी देवी, वितीन सांगवान आदि उपस्थित रहे।

# अस्पताल में मरीजों को मिलेगा निःशुल्क भोजन

## कोई भूखा न सोए के संकल्प को चरितार्थ कर रही महाराजा अग्रसेन सेवा समिति

■ मरीजों की शारीरिक शक्ति बढ़ाने के साथ आर्थिक बोझ को भी कम करेगी समिति : सीएमओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

महाराजा अग्रसेन की प्रेरणा से समाजसेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। महाराजा अग्रसेन सेवा समिति ने चौधर बंसीलाल नागरिक अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए प्रतिदिन निःशुल्क भोजन प्रसाद सेवा का आयोजन किया। अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों को अब सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात्रि का भोजन पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्रीअग्रसेन ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदेव तायल एवं आरएसएस विभाग संघचालक सत्यनारायण मित्तल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महाराजा अग्रसेन की प्रेरणा से उनका मुख्य लक्ष्य है कि रोगी भूखा न रहे, भोजन बने जीवनदान। उन्होंने बताया कि सेवा एक नवंबर 2025 को शुरू की गई थी तथा उस समय केवल सुबह का नाश्ता ही मरीजों को दिया जाता था। इसके बाद दिसंबर माह में सुबह के नाश्ते के साथ दोपहर का भोजन भी दिया जाने लगा।

भिवानी। कार्यक्रम में स्टाफ को सम्मानित करते विधायक सर्राफ व अन्य।

### नर सेवा ही नारायण सेवा

उन्होंने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। अस्पताल में बीमारी से लड़ रहे मरीजों को पौष्टिक और सात्विक भोजन मिलना उनके शीघ्र स्वस्थ होने में बड़ी भूमिका निभाता है। महाराजा अग्रसेन सेवा समिति ने कोई भूखा न सोए के संकल्प को चरितार्थ किया है, जो पूरे शहर के लिए गर्व का विषय है। सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य ने स्वास्थ्य विभाग की ओर से आभार जताया।

समाधान शिविर में भी उठाई थी समस्या

# हनुमान गेट चौक पर प्रशासन की अनदेखी गड्ढे बने वाहन चालकों के लिए मौत का जाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर के सबसे व्यस्ततम इलाकों में से एक हनुमान गेट चौक इन दिनों हादसों का केंद्र बना हुआ है। सडक़ पर हुए गहरे गड्ढे और धंसी हुई जमीन न केवल यातायात में बाधा डाल रही है, बल्कि वाहन चालकों और राहगीरों के जीवन के लिए बड़ा जोखिम बन गई है।

हैरानी की बात यह है कि समाधान शिविरों से लेकर उपायुक्त तक गुहार लगाने के बावजूद प्रशासन और संबंधित विभाग इस समस्या पर मौन साधे हुए हैं। इस बारे में पार्षद विनोद प्रजापति ने समस्या की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कुछ समय पहले हनुमान गेट चौक पर पेयजल आपूर्ति की पाइपलाइन डालने के लिए सडक़ की खुदाई की गई थी। कार्य पूरा होने के बाद विभाग ने सडक़ की मरम्मत करना उचित नहीं समझा। परिणाम स्वरूप, आज यहां जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं। पार्षद प्रजापति ने प्रशासन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उपायुक्त कहते हैं कि जहां गड्ढा दिखे वहां फोटो भेजें समाधान होगा।

भिवानी। सड़क में बने गड्ढों का विरोध जताते हुए। फोटो : हरिभूमि

### निर्माण में लापरवाही बरती

वही निवासी प्रवीण कुमार और नरेश जांगड़ा ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि यह सडक़ लंबे इंतजार के बाद बनी थी, लेकिन निर्माण में बरती गई लापरवाही के कारण सडक़ नीचे से खोखली रह गई। बारिश का पानी जमा होने से जमीन धंस रही है। नागरिकों का आरोप है कि जब भी शिकायत की जाती है, तो संबंधित विभाग केवल मिट्टी या घटिया सामग्री डालकर लीपापोती कर देता है, जो पहली बारिश या भारी ट्रैफिक के दबाव में फिर से उखड़ जाती है।

### गर्ल्स खो-खो में खेड़ी बुरा की टीम रही प्रथम

**चरखी दादरी।** झाडू सिंह चौक स्थित राजकीय वमा विद्यालय परिसर में मेरा युवा भारत केंद्र चरखी दादरी खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वधान दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन किया। इस दौरान जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव व लेखाकार एवं कार्यक्रम सहायक जितेन्द्र सैनी के मार्गदर्शन में युवा क्लबो को खेल कीट बांटी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर परिषद के चेयरमैन बख्शीराम सैनी तथा विशिष्ट अतिथि नगर पार्षद कुलदीप गांधी रहे।

गर्ल्स खो खो में बाढ़ड़ा ब्लॉक (खेड़ी बुरा)की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि वॉलीवाल में बाढ़ड़ा ब्लॉक की (लाड़ )की टीम प्रथम रही।

# अग्रवाल सेवा संघ के शिविर में 148 मरीजों ने उठाया लाभ

■ वरिष्ठ चिकित्सक हेमन्त गर्ग, डॉ. रूचि फोगाट तथा नेत्र जांच विशेषज्ञों ने की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

अग्रवाल सेवा संघ द्वारा संचालित अग्रवाल धर्मार्थ चिकित्सालय गीता भवन चरखी दादरी की ओर से जनसेवा के उद्देश्य से रविवार 18 जनवरी को प्रेमनगर स्थित एपीएस विद्यालय परिसर में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक हेमन्त गर्ग, डॉ. रूचि फोगाट तथा नेत्र जांच विशेषज्ञों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर के दौरान मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण, ब्लड प्रेशर, शुगर आदि की जांच की गई तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया। शिविर का लाभ लगभग 148 मरीजों ने उठाया। जरूरतमंद मरीजों को मौके पर ही निशुल्क दवाइयां भी वितरित की, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली। शिविर का शुभारंभ वार्ड नम्बर-3 की नगर पार्षद बबीता सांगवान पत्नी जितेन्द्र सांगवान ने रिबन काटकर किया। विद्यालय संचालक नवीन श्योराण व डॉ. नरसिंह चाहार ने अग्रवाल सेवा संघ द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य अभियानों की सराहना करते हुए संस्था एवं चिकित्सकों का आभार जताया।

भिवानी। शिविर में मरीज की जांच करते चिकित्सक।

तोशाम। गोशाला में गायों को गुड खिलाते हुए।

## गोमाता में देवी-देवताओं का निवास

**तोशाम।** रविवार को अमावस्या के मौके पर भाजपा नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल शर्मा ने तोशाम की बाबा मुंगीपा गौशाला एवं गौअस्पताल में पहुंचकर गायों तथा अन्य जीवों को खाद्य सामग्री खिलाई। इस दौरान वह तोशाम के विभिन्न नागरिकों से भी मिले और उनका कुशलक्षेम जाना।

उल्लेखनीय है कि रविवार को अमावस्या के अवसर पर भाजपा नेता अनिल शर्मा तोशाम की बाबा मुंगीपा गौशाला परिसर पहुंचे। उन्होंने गायों को हरा चारा तथा गुड़ खिलाया वहीं गौशाला परिसर में मौजूद अन्य जीव बंदर, खरगोश आदि को चने तथा गाजर आदि खाद्य सामग्री खिलाई। अनिल शर्मा का कहना था कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर में गौमाता का पालन करना चाहिए । इस अवसर पर भगवान परशुराम जनसेवा समिति के अध्यक्ष सुनील शर्मा, रूपेश बंसल, रमेश बंसल, उमेश तनेजा, जतिन जिंदल, सुनील गर्ग, ऋषि जांगड़ा, दिनेश शर्मा, पुनीत शुक्ला, पंडित मदन मोहन शुक्ला, पंडित रामदयाल शर्मा, बनारसी और पप्पू शर्मा आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

### प्रथम रंगीला श्रीश्याम महोत्सव 21 को

**लोहारू।** श्रीश्याम परिवार द्वारा आगामी 21 जनवरी को लोहारू अनाजमंडी में प्रथम रंगीला श्रीश्याम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लोहारू के कांग्रेस विधायक रणवीर सिंह फरटिया बतौर मुख्यतिथि शिरकत करेंगे। श्रीश्याम महोत्सव में भजन सम्राट संत गुलानाथ महाराज द्वारा भगवान श्रीश्याम सहित विभिन्न देवी देवताओं की महिमा का गुणगान किया जाएगा। संगठन के सदस्य रामफल जांगिड़, कर्ण गुप्ता, लाला गुप्ता आदि ने बताया कि महोत्सव की तैयारियां जोरों पर है तथा महंत शीलनाथ, महंत कैलाश नाथ, महंत गणेश जोगी, सोमवीर भक्त, मनोहरलाल व मोहनलाल के सानिध्य में होने वाले महोत्सव में अनेक भजन गायक कलाकार प्रस्तुति देंगे।

## सड़क सुरक्षा से ही जीवन रक्षा, रेडक्रॉस ने युवाओं को सिखाए नियम

# युवाओं को हेलमेट लगाने की दिलाई शपथ

■ सड़क सुरक्षा को बनाए जीवन का अभिन्न हिस्सा : सचिव प्रदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के तहत सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रविवार को रेडक्रॉस भवन में युवाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन तथा रेडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को जिम्मेदार चालक बनाना और उन्हें सुरक्षा उपकरणों के महत्व से रूबरू कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार व उनकी टीम ने युवाओं को विस्तार से बताया कि दुपहिया वाहन चलाते समय आईएसआई मार्कवाला हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना क्यों अनिवार्य है। उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से समझाया कि अधिकतर जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का कारण सुरक्षा उपकरणों का अभाव होता है।

भिवानी। हैलमेट व सीट बेल्ट का महत्व समझाते जिला प्रशिक्षण अधिकारी।

### युवा देश का भविष्य : प्रदीप

रेडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार ने बताया कि सेंटजान एम्बुलेंस (इंडिया) भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा (चंडीगढ़) के निर्देशानुसार कार्यक्रम किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक माह का अभियान नहीं, बल्कि ये हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। युवा देश का भविष्य है, लेकिन अक्सर जोश में वे यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं। उन्होंने कहा कि हेलमेट सिर की चोट से बचाता है और सीट बेल्ट अचानक लगने वाले झटके या टक्कर के दौरान चालक को सुरक्षित रखती है। युवा आज संकल्प लें कि वे बिना हेलमेट व बिना सीट बेल्ट के वाहन नहीं चलाएंगे तो हम सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ को काफी हद तक नीचे ला सकते हैं। उन्होंने 150 से अधिक ग्रामीण व शहरी युवाओं को विभिन्न सड़क संकेतों और जेब्रा क्रॉसिंग के नियमों की जानकारी दी तथा तेज रफ्तार के खतरों व उससे नुकसान के बारे में सचेत किया। अंत में युवाओं को यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ दिलाई।